आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बृहस्पतिवार 20.2.2025 **समय 1830**

मुख्य समाचार :–

- **उत्तराखंड सरकार ने आज सदन में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 1 लाख 1 हजार 1 सौ 75 करोड़ 33 लाख रुपये का बजट पेश किया। बजट में कृषि, ऊर्जा, अवसंरचना, संयोजकता, आयुष, और पर्यटन पर विकास के लिए पतिबद्धता जताई गई है।**
- **वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा– यह बजट राज्य की प्रगति और विकास की नई राह तय करेगा।**
- **मुख्यमंत्री पुश्कर सिंह धामी ने बजट को समावेशी विकास, सतत आर्थिकी और समरसता का प्रतीक बताया।**
- **राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस सम्मेलन और प्रदर्शनी समारोह का शुभारम्भ किया।**
- **प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी व निचले इलाकों में हल्की बारिश से मौसम हुआ सर्द।**

बजट

उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 1 लाख 1 हजार 1 सौ 75 करोड़ 33 लाख रुपये का बजट पेश किया। बजट में कृषि, ऊर्जा, अवसंरचना, संयोजकता, आयुष, कृषि और पर्यटन पर विकास के लिए पतिबद्धता जताई गई है। आज पंचम विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि यह बजट राज्य की प्रगति और विकास की नई राह तय करेगा, जिसमें जनता की भलाई, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार पर खास ध्यान दिया गया है। बजट में सरकार ने कुल 1 लाख 1 हजार 34 करोड़ 75 लाख रुपये की प्राप्तियों का अनुमान लगाया है, जिसमें 62 हजार 5 सौ 40 करोड़ 54 लाख रुपये राजस्व प्राप्तियां और 38 हजार 4 सौ 94 करोड़ 21 लाख रुपये पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं। कर राजस्व से 39 हजार 917 करोड़ 74 लाख रुपये और गैर–कर राजस्व से 22 हजार 622 करोड़ 80 लाख रुपये मिलने का अनुमान है। वहीं, ऋण और अन्य देनदारियों से 38 हजार 470 करोड़ रुपये की पूंजीगत प्राप्तियां अनुमानित हैं।

सीएम ऑन बजट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट को समावेशी विकास, सतत आर्थिकी और समरसता का प्रतीक बताया है। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री धामी ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर उत्तराखंड की थीम पर आधारित है।

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट का आकार 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और यह बजट पिछले बजट की तुलना में 13 फीसदी अधिक है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि बजट में बुनियादी जरूरतों का ध्यान नहीं रखा गया है।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यह बजट प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति और ग्रामीण विकास को नई दिशा देगा।

भू कानून

प्रदेश में सशक्त भू कानून को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि भू–कानून में जनभावनाओं के अनुरूप प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भू–कानून आने से लोगों की समस्याएं दूर होंगी।

17वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने आज गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आयोजित तीन दिवसीय 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस सम्मेलन और प्रदर्शनी समारोह का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश सदियों से कृषि प्रधान देश रहा है। उन्होंने कहा कि देश की पावन भूमि न केवल खाद्यान्न उत्पादन में समृद्ध है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की जड़ें भी कृषि से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय किसानों की मेहनत और धीरज ने हमें खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। जलवायु परिवर्तन पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारे सामने प्राकृतिक संसाधनों की घटती उपलब्धता, आधुनिक तकनीकों का समावेश जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए आज हमें अधिक उत्पादन के साथ–साथ टिकाऊ कृषि को अपनाने की जरूरत है।

तीन दिनों तक चलने वाले कृषि महाकुंभ में अलग अलग विषयों पर 10 थीम, 20 सत्र और 15 पैनल डिस्कसन होंगे।

वनाग्नि जागरूकता कार्यक्रम

जंगलों में लगने वाली आग को रोकने के लिए पिथौरागढ़ जिले के देवलथल में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के आयोजक कुंडल चौहान ने बताया कि स्कूली बच्चों को जंगलों में लगने वाली आग की रोकथाम के साथ ही जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया गया।

मौसम

राज्य के उत्तरकाशी समेत ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आज जमकर बर्फबारी हुई है। वहीं, मैदानी इलाकों में हल्की बारिश से मौसम सर्द हो गया है। राजधानी देहरादून में आज पूरे दिन बादल छाए रहे, जबकि सुबह के समय हल्की बारिश दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने आज टिहरी, देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर और हरिद्वार जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में आज हल्की से मध्यम बारिश के आसार बने हुए हैं।

राज्य कार्यकारिणी समिति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर्षिल–मुखवा यात्रा 27 फरवरी को प्रस्तावित है। यात्रा से पहले राज्य सरकार की राज्य कार्यकारिणी समिति ने विश्वप्रसिद्ध धाम गंगोत्री और यमुनोत्री में सुरक्षा कार्यों के लिए 27 करोड़ 20 लाख से अधिक की धनराशि जारी कर दी है। इसके अलावा उत्तरकाशी मुख्यालय स्थित वरुणावत पर्वत के निचले हिस्से में भूस्खलन से सुरक्षा के लिए 4 करोड़ 99 लाख 92 हजार की धनराशि को मंजूरी दी है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने धनराशि को अनुमोदित किया है।